Newton's Academy

हिंदी लोकभारती

समय: 2 घंटे **कुल अंक: 40**

सूचनाएँ:

1. सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।
3. रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
4. शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य : 12 अंक

1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

कई वर्षों की बात है। एक पुरना गाँव था। एक आदमी ने जाने कहाँ से भटकता दूर-दराज के उस गाँव में आ पहुँचा था। गाँव के कुत्तों ने जब चीथड़ों में लिपटे अजीब आदमी को देखा तो उन्हें वह कोई पागल लगा। वे उसपर बेतहाशा भौंकने लगे। गाँव के बच्चे खेल रहे थे। कुत्तों की देखा-देखी गाँव के बच्चे भी पूरी दोपहर उसे छेड़ते और तंग करते रहे। आश्चर्य की बात यह थी कि वह आदमी उन बच्चों को कुछ बोल नहीं रहा था। संयोग से किसी भले आदमी ने गाँव के बच्चों को उसपर पत्थर फेंकते हुए देख लिया। जब वह भला आदमी उस आदमी के करीब गया तो उसके चेहरे पर मौजूद खोएपन के भाव के बावजूद उसे उसमें गरिमा के चिह्न दिखे। 'यह आदमी पागल नहीं हो सकता' – उसने सोचा। गाँव के उस आगंतुक भले व्यक्ति ने उस आदमी से उसका नाम-पता पूछा, पर वह कोई उत्तर नहीं दे सका।

(1) उत्तर लिखिए: **[2]**

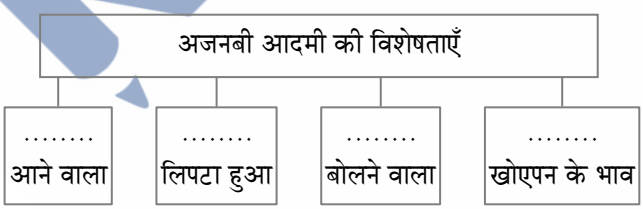

(2) (i) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द गद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए: **[1]**

(1) गौरव – _____

(2) जवाब – _____

(ii) निम्नलिखित शब्दों के वचन परिवर्तन कीजिए: **[1]**

(1) बच्चे –

(2) चेहरा –

(3) "बिना वजह किसी को तंग करना बुरी बात है" इस विषय पर अपने विचार **25** से **30** शब्दों में लिखिए। **[2]**

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

नगर के सबसे बड़े सेठ से जब किसी ने साधु का जिक्र किया, तो वह अविश्वास से हँस पड़ा। बोला, "ऐसे ढोंगी जाने यहाँ कितने आते रहते हैं!" और वह अपने कारोबार में लग गया। साधु का नाम चारों ओर फैलता जा रहा था। साधु भी कभी-कभी सोचता कि अब फिर बहुरूपिया जीवन में लौटने में क्या रखा है, क्यों न इसी जीवन में अपनी जिंदगी लगा दी जाए। फिर उसका मन धिक्कारने लगता कि वह जिंदगी भर साधु बना रहा, तो अपने असली पेशे के साथ बेईमानी करेगा। इसी सोच-विचार में उसके दिन निकलने लगे।

एक बार सेठ की पत्नी बहुत बीमार हो गई। दुनिया भर के इलाज कराए गए, वैद्य-डॉक्टर बुलाए, लेकिन सेठानी की तबीयत ठीक ही नहीं हुई। उसे लगता था कि वह अब नहीं बचेगी। मित्रों और शुभचिंतकों ने सलाह दी कि एक बार उस साधु को दिखा देने में क्या हानि है। हारकर सेठ तैयार हो गया।

(1) लिखिए: **[2]**

साधु का सोचना

(i) ..... (ii) .....

(2) (i) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द गद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए: **[1]**

(1) विश्वास × .....

(2) लाभ × .....

(ii) उपसर्ग तथा प्रत्ययुक्त शब्द तैयार कर लिखिए: **[1]**

उपसर्गयुक्त शब्द		मूल शब्द		प्रत्ययुक्त शब्द
.....	←	मान	→	.....

(3) 'रोगियों की सेवा ही ईश्वर सेवा है' इस विषय पर अपने विचार **25** से **30** शब्दों में लिखिए। **[2]**

विभाग 2 – पद्य : 8 अंक

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

सिष को ऐसा चाहिए, गुरु को सब कुछ देय।
गुरु को ऐसा चाहिए, सिष से कुछ नहिं लेय।।
कबिरा संगत साधु की, ज्यों गंधी की बास।
जो कुछ गंधी दे नहीं, तौ भी बास सुबास।।
दुर्बल को न सताइए, जाकी मोटी हाय।
बिना जीव की स्वाँस से, लोह भसम ह्वै जाय।।
गुरु कुम्हार सिष कुंभ है, गढ़-गढ़ काढ़ै खोट।
अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट।।

(1) विशेषताएँ लिखिए: **[2]**

(i) गुरु .....

(ii) शिष्य .....

(2) प्रथम दो पंक्तियों का सरल अर्थ **25** से **30** शब्दों में लिखिए। **[2]**

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

ऐसा वसंत कब आएगा?
जब मानवता के वन-उपवन का
हर प्रसून खिल पाएगा?
ऐसा वसंत कब आएगा?
लड़कर अभाव के पतझड़ से,
नव सर्जन रण में विजयी बन,
सुख-सुविधा रस के सम वितरण का
पा नवयौवनमय जीवन,
हर मनुज-कुसुम संतोषमयी
मुस्कान मधुर बरसाएगा
ऐसा वसंत कब आएगा

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **[2]**

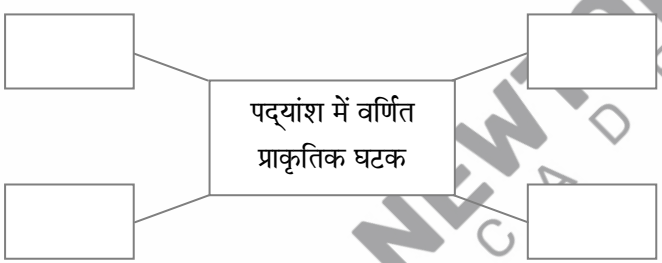

(2) किन्हीं चार पंक्तियों का सरल अर्थ **25** से **30** शब्दों में लिखिए। **[2]**

विभाग 3 – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 8 अंक

3. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[8]**

(1) मानक वर्तनी के अनुसार सही शब्द छाँटकर लिखिए: **[1]**

(i) परसिद्ध / प्रसिध्ध / प्रसिद्ध / प्रसीद्ध

(ii) मुश्कील / मुशकील / मुश्किल / मुष्कील

(2) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी **एक** अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए: **[1]**

(i) अरेरे!

(ii) धीरे-धीरे

(3) कृति पूर्ण कीजिए: **[1]**

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
दुस्साहस	.....	.....
	अथवा	
.....	सत् + जन	.....

(4) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए: [1]

(आगाह कर देना, चौपट हो जाना)

मौसम विभाग ने सभी लोगों को सचेत किया कि आज तेज बारिश होने वाली है।

अथवा

निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर उचित वाक्य में प्रयोग कीजिए:

(i) चक्कर काटना –

(5) कालभेद पहचानना तथा काल परिवर्तन: [2]

(i) निम्नलिखित वाक्य का कालभेद पहचानिए:

लोगों का बिल बनाते-बनाते अपना भी वेतन निकल जाता है।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी **एक** वाक्य का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए:

(1) किस प्राकृतिक मनोरम दृश्य को देखना चाहता हूँ। (अपूर्ण भूतकाल)

(2) तीर की तरह शब्द उछलता है। (सामान्य भविष्यकाल)

(6) वाक्य भेद तथा वाक्य परिवर्तन: [2]

(i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए:

वह आदमी भी उस गाँव में रहने के लिए तैयार हो गया।

(ii) निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए:

कई दिनों से मैं तुम्हारे चौके में गई। (निषेधार्थक वाक्य)

विभाग 4 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 12 अंक

सूचना – आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है।

4. सूचनाओं के अनुसार लिखिए: [12]

(अ) (1) पत्रलेखन: [4]

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए:

संजय/साधना कपूर, 5 'स्वानुभव' साई नगर, सोलापुर से अपने मित्र/सहेली आर्जव/आर्जवी गाडेकर, 1143-आविष्कार नगर, पुणे को गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष्य में अभिनंदन करने हेतु पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

रोहन/रोहीणी-15 गुलमंडी, औरंगपुरा रोड, औरंगाबाद से शहर में पेड़-पौधों की हो रही अनियंत्रित कटाई के बारे में औरंगाबाद महानगरपालिका के आयुक्त को पत्र लिखकर शिकायत करता/करती है।

(२) कहानी लेखन: [4]

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर **60** से **70** शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए:

गाँव में लड़कियाँ – सभी पढ़ने में होशियार – गाँव में पानी का अभाव – लड़कियों का घर के कामों में सहायता करना – बहुत दूर से पानी लाना – पढ़ाई के लिए कम समय मिलना – लड़कियों का समस्या पर चर्चा करना – समस्या सुलझाने का उपाय खोजना – गाँव वालों की सहायता से प्रयोग करना – सफलता पाना – शीर्षक – सीख।

अथवा

गद्य आकलन – प्रश्न निर्मिति:

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर ऐसे **चार** प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हों–

मनुष्य ने स्वार्थवश बहुत से पौधों एवं वनों को काटा है। वनों की कमी के कारण जलवायु में परिवर्तन आया है। जमीन बंजर होने लगी है तथा प्रकृति का संतुलन बिगड़ा है। पौधे मिट्टी से खनिज लवण और पानी लेते हैं। मिट्टी पौधों की वृद्धि के लिए अत्यावश्यक है। पौधे की जड़ें मिट्टी के कणों को जकड़े रखती हैं और उसे बह जाने से रोके रखती हैं। जमीन पर गिरे हुए पत्ते भी ऊपर की मिट्टी को पानी के साथ बहा ले जाते हैं। इसी को मिट्टी का कटाव कहते हैं। मिट्टी के कटाव से महत्त्वपूर्ण जैविक पदार्थ खो जाते हैं तथा भूमि बंजर हो जाती है। प्राय: यह भी देखा गया है कि जहाँ वन अधिक नहीं होते वहाँ वर्षा कम होती है और जब होती है, तो बाढ़ आ जाती है। बाढ़ के कारण एक और हानि यह होती है कि मिट्टी बह-बहकर जल स्रोतों में जमा हो जाती है जिससे उनकी गहराई कम हो जाती है।

(आ) निबंध लेखन: **[4]**

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर **60** से **70** शब्दों में निबंध लिखिए:

(1) समय बड़ा बलवान

(2) मैं हूँ पाठशाला का श्यामपट

NEWTON'S ACADEMY